भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 238
दिनांक 27 नवम्बर, 2024/ 6 अग्रहायण, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

संघ राज्य क्षेत्रों में नए प्रकार के पर्यटन को बढ़ाना देना

238 # श्री आदित्य प्रसाद:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने संघ राज्य क्षेत्रों में नए प्रकार के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कदम उठाए हैं;
(ख) क्या सरकार ने द्वीपीय संघ राज्य क्षेत्रों में इको-पर्यटन की संभावना को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रयास किया है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ग) : जी महोदय। सरकार, पर्यटन में विविधता लाने और संघ राज्य क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, विभिन्न नए प्रकार के पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है, जैसे कि खगोल पर्यटन, इको-पर्यटन, प्रकृति/जैव विविधता पर्यटन, विरासत/सांस्कृतिक पर्यटन, वैलनेस पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, रोमांच पर्यटन, मानसून पर्यटन, अनुभवात्मक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, क्रूज पर्यटन, एमआईसीई (बैठकें, इंसेंटिव, सम्मेलन और प्रदर्शनी) पर्यटन, जनजातीय और ग्रामीण पर्यटन, सीमा पर्यटन, बागवानी पर्यटन, खेल पर्यटन, गंतव्य विवाह पर्यटन आदि।

दिनांक 27.11.2024 के लिए राज्य सभा अ. ता. प्र. सं. 238

संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू की गई कुछ प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं में लद्दाख में हान्ले डार्क स्काई रिजर्व (भारत में पहला डार्क स्काई रिजर्व) की स्थापना, दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव में विश्व स्तरीय सीफ्रंट, रिवरफ्रंट और टेंट सिटीज़ का विकास; पुदुचेरी में एमआईसीई अवसंरचना का विकास, लद्दाख में नए ट्रेकिंग मार्गों को खोलना; जम्मू और कश्मीर में ऑफ-बीट पर्यटन स्थलों की पहचान, चंडीगढ़ में अंतर-शहर पर्यटन सर्किट का विकास, लद्दाख में ज़ांस्कर महोत्सव, जम्मू और कश्मीर में वुलर महोत्सव आदि जैसे सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन शामिल हैं। संघ राज्य क्षेत्रों की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए संघ राज्य क्षेत्रों में स्थानीय कला और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा विभिन्न पर्यटक/विरासत स्थलों का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग भी किया जा रहा है।

इसके अलावा, समावेशी और ज़िम्मेदार पर्यटन सुनिश्चित करने के लिए, संघ राज्य क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने में सामुदायिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया है। सरकार ने द्वीप संघ राज्य क्षेत्रों अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में इको-पर्यटन की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सस्टेनेबल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, इन संघ राज्य क्षेत्रों में सक्षम भौतिक अवसंरचना का विकास किया जा रहा है। इसमें लक्षद्वीप में इको-पर्यटन रिसॉर्ट्स, टेंट रिसॉर्ट्स, बीच विला और भारत के पहले वॉटर विला का विकास शामिल है। इसी तरह, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी प्रीमियम द्वीप रिसॉर्ट्स, प्रीमियम टेंट्स और ट्री हाउस के निर्माण के साथ समग्र विकास ढाँचे में इको-पर्यटन परियोजनाओं की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, इन द्वीपीय संघ राज्य क्षेत्रों में इको-पर्यटन की संभावनाओं को और बढ़ावा देने के लिए, अधिक समुद्र तटों के ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण हेतु अवसंरचना सुविधाएं भी बनाई जा रही हैं।

****